PROSPECTUS 2023-24

S.S.G. Pareek P.G. Kanya Mahavidyalaya

ARTS & COMMERCE STREAMS

Chomu, Jaipur (Raj.) • Ph. : 01423-221894
Mobile : 9413652523, 9413154981

लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम...

Our Inspiration

॥ विजयते श्री श्री नाथः प्रभु ॥

Shrinath Ji Prabhu

॥श्री श्रीनाथः प्रभु ॥

Maharshi Parashar

पारीक समाज के सृष्टा

Cultural values are an absolute ethical value for all of us, which reflects the true self of every individual. The institutional family believes in developing and inculcating the right attitude towards rich cultural heritage in our students. For this we have a monumental temple of 'Rishi Parashar' and 'Srinathji' in our college campus. The mission is to spread their ideologies and resurrect orality nad righteous thinking among the students.

Beautiful Temple of God Shree Nath Ji

Management Committee

Bajrang Lal Pareek
President

Laxmi Kant Pareek
Secretary

Budhi Prakash Pareek
Treasurer

Ashok Kumar Keshot
Member

Dr. Mathureshwar Pareek
Member

Bhagwan Sahai Pareek
Member

Dr. Seema Joshi
Member

Ritesh C. Purohit
Member

K. K. Pareek
Member

Dr. Jyoti Joshi
Member

N. K. Pareek
Member

Mukesh Pareek
Member

Bhagwati Prasad Pareek
Member

Gaurav Pareek
Member

Co-Opted Members

1. Dr. Sumitra Pareek
2. Shri Rajdeep Singh Nathawat
3. Shri Dharmendra Kumar Thawariya
4. Shri Manoj Kumar Agarwal
5. Miss Vijay Laxmi Agarwal
6. Miss Khushi Agarwal

With Best Wishes

S.S.G. Pareek P.G. College & Associated Institution
Management Committee

A Heritage Institution...

Live as if you were to die tomorrow,
Learn as if you were to live forever.

Vision

To become one of the top providers of education in the country and making available the appropriately qualified and skilled manpower to the world of work who have competencies in synchronization with the contemporary and future global needs.

Mission

To strive for excellence in the field of education by creating, developing and instilling right values, ethics, discipline and life skills in the future managers, leaders, academicians and technocrats in shaping a new India.

President's Message

Dear Student,

Welcome to S.S.G. Pareek P.G. College ("Heritage Status" confered by University Grants Commission, New Delhi) An Institution known for offering most lucrative educational environment for learning. Education is for improving the lives of others. It plays an important role in enabling a person to face a real situation with adequate knowledge. An educational institution is a temple of learning and in our college we make our best effort to give quality education to our students.

Established in 1947, S.S.G. Pareek P.G. College is one of the premier colleges in Rajasthan. The Heritage Institute, situated in the heart of Pink City of India, cater excellent teaching and conducive learning environment for the students.

Our strength is our committed faculty, who ensure healthy learning for the students. One has to achieve met merely technical efficiency but also greatness of spirit so, strive for mobility, moral uprightness and quality.

Bajrang Lal Pareek
President
S.S.G. Pareek P.G. College and Associated Institutions

Secretary's Message

S.S.G. Pareek P.G. College, our institution, was founded in 1906, with the primary purpose of ensuring greater success in higher education for the citizens of adjacent geographic areas. Since its establishement as a small "Chatshala" on Nahargarh Road in Jaipur a century ago, this institution has come a long way, Over the past 118 years, it has experienced exponential expansion, as it has achieved one milestone. Thousands of students have used this institution as a significant launchpad for their professional careers. The college, known for its high standards in education, continues to draw in new students as a result of its tremendous advancements in the field of education. No Success, in our opinion, is conceivable without a focused search for our objectives. It is therefore my strong belief that every student who studies here can build a firm foundation in knowledge and wisdom.

Laxmi Kant Pareek
Secretary
S.S.G. Pareek P.G. College and Associated Institutions

Principal's Desk

सादर,

अभिभावक एवं छात्राओं,

नई शिक्षा नीति के मूल सिद्धान्तों - नियमों व उद्देश्यों के साथ लक्ष्य कैरियर की साधना को पूर्ण करने हेतु सक्षम मनीषियों के साथ महाविद्यालय प्रांगण में नव आगन्तुक व अध्ययनरत छात्राओं का सत्र 2023-24 में हार्दिक अभिनन्दन करती हूं।

शिक्षा का मूल उद्देश्य है - सर्वांगीण विकास। हमारा अनवरत प्रयास है कि हमारी छात्रायें जो राष्ट्र, समाज एवं परिवार के भविष्य की कर्णधार है वे सैद्धान्तिक, व्यावहारिक दृष्टिकोण से दृढ़ बने और मौलिकता से प्रत्येक क्षेत्र में पूर्ण आत्मविश्वास, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठता, सौहार्द, दृढ़ता से अपनी सेवायें प्रदान करें। मुझे प्रसन्नता है कि मेरे महाविद्यालय की अनगिनत छात्रायें प्रशासनिक, शैक्षिक, राजनीतिक, सामाजिक अन्य अनेक क्षेत्रों में पद स्थापित है और स्व के साथ महाविद्यालय परिवार का नाम रोशन कर रही है। छात्राओं के द्वारा किये जाने वाले सकारात्मक कार्यों को जानने के बाद मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। चौमूं क्षेत्र में महिला शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास में पारीक कन्या महाविद्यालय का शुभारम्भ 1996 में 'चौमूं क्षेत्र में सर्वप्रथम छोटी सी पहल 22 छात्राओं से किया गया जो वर्तमान में वट वृक्ष बनकर चहुं दिशा में महिला शिक्षा को प्रकाशित करके दिशा मार्गदर्शित कर रहा है।

अभिभावकों व छात्राओं से अनुरोध है कि स्वस्थ विचारों के साथ एक दूसरे से मिलकर इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में कंधे से कंधा मिलाकर 27 वर्षों से स्थापित पारीक महिला महाविद्यालय से संस्कार पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने हेतु समर्पित भाव से जुड़कर आगे बढ़े और श्रेष्ठ बनें, यही मेरी उत्कण्ठा एवं अभिलाषा है।

शिक्षा की महत्ता इस नीति परक में -
न चौरहार्यं न च राजहार्यं, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धते एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।।

डॉ. सुमित्रा पारीक
प्राचार्या
पूर्व सदस्य सिंडीकेट, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
पूर्व सदस्य, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर

लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम...

118 Years of Scholastic Journey of Service to Society...

OUR ISNTITUTIONS

एस. एस. जी. पारीक स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बनीपार्क, जयपुर

इसका श्री गणेश बीसवीं सदी के प्रारम्भ में पूर्व में शिक्षण संस्था स्व. पुरोहित श्रीराम प्रताप नारायण जी के घर पर लगती थी। सन् 1906 में परम आदरणीय स्व. श्री झूमरमल जी एवं स्व. श्री स्वरूप लालजी तिवाड़ी ने नाहरगढ़ रोड़ पर एक भवन बनाकर पारीक समाज को शिक्षा के लिए लोकार्पित कर दिया। सन् 1915 में हाई स्कूल में क्रमोन्नत हो गया और राजपूताना शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त हो गई।

3 अप्रैल 1935 को जयपुर राज्य ने बनीपार्क क्षेत्र में शिक्षा के लिए भूमि प्रदान की। 10 मार्च 1939 को जयपुर राज्य के महाराजा सवाई मानसिंह द्वारा भवन का उद्घाटन किया गया व राजपूताना शिक्षा बोर्ड द्वारा इंटर कॉलेज बना दिया गया। सन् 1947 में राजपूताना विश्वविद्यालय ने इसे सम्बद्धता प्रदान की।

शिक्षण संस्थान की प्रगति को देखते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय ने इसे सन् 1955 में (डिग्री) स्नातक कॉलेज की मान्यता प्रदान की। सन् 2001 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा महाविद्यालय को शैक्षणिक प्रशासनिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के आधार पर **'हेरिटेज कॉलेज'** घोषित किया गया।

भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा उच्च शिक्षा में NIRF में इस महाविद्यालय को राजस्थान में 5वीं एवं भारत में 56वीं रैंक प्रदान की है।

एस. एस. जी. पारीक स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, बनीपार्क, जयपुर

इस महाविद्यालय का प्रारम्भ 1981 में हुआ था। राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 1986 में सम्बद्धता प्रदान की। महाविद्यालय स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय व स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी साहित्य, लोक प्रशासन एवं समाजशास्त्र विषय में शिक्षा प्रदान कर रहा है।

एस. एस. जी. पारीक स्नातकोत्तर शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय, बनीपार्क, जयपुर

इस महाविद्यालय की स्थापना 1965 में जयपुर तथा आस-पास के जिलों में शिक्षक-प्रशिक्षण के लिए महाविद्यालय खोला गया। महाविद्यालय में बी.एस.टी.सी., बी.एड. एवं एम.एड. की कक्षाएं संचालित है।

एस.एस.जी.पारीक उच्च माध्यमिक विद्यालय,
झोटवाड़ा रोड़, जयपुर

इस विद्यालय की स्थापना 6 मई 1906 को प्राथमिक पाठशाला के रूप में प्रारम्भ हुआ। सन् 1918 में उच्च प्राथमिक वर्ग खोलने की अनुमति प्रदान की। सन् 1925 में आगरा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पं. श्याम सुन्दर शर्मा (निदेशक शिक्षा विभाग) के प्रयासों से माध्यमिक विद्यालय की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हुआ। सन् 1958 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा मान्यता व नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 1989-90 से उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत हुआ।

एस.एस.जी.पारीक पब्लिक स्कूल,
झोटवाड़ा रोड़, बनीपार्क, जयपुर

सन् 1983 में सम्बद्ध संस्थाओं की हीरक जयन्ती के अवसर पर स्कूल की स्थापना की गई।

एस.एस.जी.पारीक पाठशाला (विद्यालय)
नाहरगढ़ रोड़, जयपुर

इसकी स्थापना 1906 में नाहरगढ़ रोड़ स्थित विद्यालय भवन में हुई। यह गुलाबी नगर की सबसे ऐतिहासिक एवं पुरानी पाठशाला है। जिसमें 8वीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान की जाती है।

एस.एस.जी.पारीक इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज बनीपार्क, जयपुर

सन् 2007-08 में प्रबन्ध समिति द्वारा पारीक पी.जी. कॉलेज के भवन में अलग संस्थान के रूप में इसकी स्थापना की गई। इसमें बी.बी.ए., बी.सी.ए.पाठ्यक्रम संचालित है।

एक दृष्टि

श्री स्वरुप गोविन्द पारीक स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, चौमूँ

राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

चौमूँ में बालिकाओं हेतु उच्च शिक्षा की मांग को देखते हुए क्षेत्र में प्रथम कदम के रूप में तात्कालिक प्रशासक स्व. श्री सूरजनारायण जी पारीक ने इस संस्था की नींव **6 जुलाई, 1996** को रखी, तभी से संस्था सोद्देश्यपूर्ण ज्ञान की आभा को प्रकाशित करते हुए वर्तमान वैश्वीकरण व कैरियर सम्बन्धी उलझनों में भी छात्राओं को सम्बल दिशा निर्देश प्रदान करने का दायित्व पूर्ण कर रही है। यहाँ के कर्त्तव्यनिष्ठ योग्यताधारी संकाय प्रवक्ताओं ने विश्वविद्यालय में भी अपनी पहचान व व्यक्तित्व को स्थापित किया है।

- महाविद्यालय शहर के कोलाहल से दूर बस स्टैण्ड से 1/2 कि.मी. की दूरी पर शहर के हृदय स्थल ओजस्वी भवन नोहरा हवेली वाला, रावत प्लाजा के पास, धनजी की गली, ब्रह्मपुरी में संचालित है।
- राज्य सरकार से स्थायी अनापत्ति प्रमाण–पत्र व राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त है।
- वर्तमान परिपेक्ष्य को देखते हुए सरकारी निर्देशानुसार ऑनलाइन, ऑफलाइन कक्षाओं का शिक्षण कार्य।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित योग्यता रखने वाले सक्षम एवं तकनीकी विद्याओं में सक्षम एवं अनुभवी प्रवक्ताओं द्वारा अध्यापन कार्य।
- महाविद्यालय में सेमिनार, वेबीनार, व्याख्यानमाला, कार्यशाला, आन्तरिक मूल्यांकन तथा कैरियर गाइडेंस, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्ग दर्शन।
- विगत वर्ष का महाविद्यालय परीक्षा परिणाम लगभग 98 प्रतिशत रहा ।
- महाविद्यालय में एन.एस.एस., स्काउट/गाइड एवं रेड रिबन की इकाईयाँ संचालित है।
- महाविद्यालय नेशनल ग्रीन कोर का सदस्य है ।
- **स्काउट गाइड की 20 रेंजर्स राज्य पुरस्कार से सम्मानित।**
- महाविद्यालय को चौमूँ व आस–पास के सभी समाज सेवकों का अद्वितीय सहयोग प्राप्त है तथा इसके विकास हेतु सतत् प्रयत्नशील हैं।
- महाविद्यालय को राज्य सरकार के सहयोग से रेलवे स्टेशन के पास जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूमि पर भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है।
- महाविद्यालय परिसर सी.सी.टी.वी. कैमरों द्वारा सुसज्जित है।
- महाविद्यालय में लगभग 1000 से अधिक छात्रायें, अध्ययनरत् हैं जिन्हें खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों को ऑन लाइन व ऑफ लाइन माध्यम से जोड़ते हुए व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु प्रेरित किया जाता है।

A VIEW

S.S.G. PAREEK P.G. GIRLS COLLEGE, CHOMU

- Due to the demand of higher education of girls in Chomu, Late Shri Suraj Narayan Pareek the contemporary administrator laid the foundation of this institution on 06 July in 1996.
- From that time this institution is aimfully illuminating its glorious knowledge and fulfilling its responsibilities by providing counseling & support to the students in the field of globalization & career.
- The college is situated 1⁄2 km away from the bus stand in the heart of the city at Ojashvi Bhawan, Nohara Haveliwala, Near Rawat Plaza, Dhanji Ki Gali, in Brahampuri.
- The college is recognized by the university of Rajasthan & the state government provided the NOC to it.
- State Govt. has allotted one unit of Scout/Guide and 2 units of NSS and Red Ribbon to benefit the students.
- Students are taught by the lecturers who are capable, experienced & qualified according to the norms of UGC.
- The dutiful & qualified faculty of this college has also shown their good will in the university.
- Social workers of Chomu & its surrounding give their incomparable support for the development of the college.
- JDA has provided a land with the support of the State Govt. to the college near railway station in which quickly the building is planned to be constructed.
- The college aims at the integral and total formation of the girls. To accomplish this, special efforts are made to help the students to become mature and spiritually oriented persons of character. They are to be persons with a love for learning, developing habits of critical thought, accurate expression, strength of character and moral values needed for a life that is socially meaningful and productive. Hence, students are encouraged continually to strive for excellence in every field, to be clear and firm on principles and courageous in action, to be unselfish in the service of their fellow human beings and to become agents of social change in the country.

HIGHLIGHTS

1. Best and unique environment for the holistic growth of students.
2. Online/offline mode of teaching as per rule.
3. Experienced and qualified faculty with competence to awaken joy, confidence and positivity to develop vision in students.
4. Facility of book bank & E-learning resources
5. Promote and nurture the spirit of innovation with brainstorming technique in students.
6. Regular Internal Assessment
7. Member of National Green Core. College has a Unit of Scout and two units of NSS & Red Ribbon.
8. Webinar, seminars, exhibitions, workshops and training programme are organized for educational achievement.
9. Preparation of Competitive exams along with graduation/post graduation.
10. Guidance and counseling of students through psychometric testing available for vocational and career counseling.
11. Skill training programme for skill development of students (in collaboration with KVK Tankarda, Chomu)
12. Extra curricular activities conducted throughout the year. Online/Offline
13. Special prizes to genius students by renowned dignitaries.
14. Dialogue between parents and college administration for the all round development of the students.
15. "Active parent award" for the parents.
16. Shri Keshav Pareek NRI (Canada) provides scholarship to meritorious students and special prizes to outstanding students.
17. Ojaswi Trust Chomu provides the scholarship to the poor and brilliant students.
18. Separate Section for Hindi & English Medium.
19. Free Accidental Insurance Policy provided to all students upto 1 lakh rupees.
20. Campus Placement.

Courses Offered-ARTS

B.A. (UG Pass Course)

Eligibility : As per university norms candidates having passed senior secondary examination from any recognised board with minimum 45% marks (pass marks SC/ST/OBC) in any discipline are eligible to get admission.

Medium : Hindi & English

Duration : 3 Years.

Compulsory Subjects

(A) General Hindi (B) General English (C) Elementary Computer (D) Environmental Studies

Optional Subjects (Arts)

Hindi Literature,	English Literature	Sanskrit Literature	Home Science
Geography	Drawing & Painting	Political Science	Economics
Public Administration	History	Sociology	

Subject Combination in Arts

Group A

Political Science	Geography	Economics	English Lit.
Home Science	Drawing & Painting		

Group B

Geography	Political Science	Sanskirt Lit.	Hindi Lit.
History	Public Administration	Sociology	

Anandam subject is mandatory for all classes of part I, II, III, M.A. Prev. & M.A. Final

Note:

1. Student will have to opt the subjects according to the group no. allotted by the college and the subjects which are opted in B.A. should be taken in II & III year.
2. Minimum ten students are required to start a subject.
3. Psychological counseling will be provided for the selection of a subject.
4. Subject can be changed within 15 days of the admission. After that 200 Rs. will be charged.

Education is not the learning of facts, but the training of the mind.
- Albert Einstein

Courses Offered - COMMERCE

B. Com. - 3 Year (UG Pass Course) English & Hindi Medium

Eligibility : 12th Pass out in Commerce

B.Com. Part-I : Compulsory Subject - Gen. English, Gen. Hindi, Environment Studies, Elementary Computer Application

Optional Subject for B.Com. PART - I , II, III		
Accountancy and Business Statistics (ABST)	**Business Administration (BADM)**	**Economic Administration and Financial Management (EAFM)**
Anandam subject is mandatory for all classes of part I, II & III		

Bright Future of Commerce and Various Options of Employment

Today's modern Scenario Girl's are progressing in every field and achieving success whether it is administration, government, semi-government or research management. They are attaining professional degrees like CA, CS etc.

In current perspective, the importance of commerce subject is increasing due to industrial development, increase in International trade and rapid economic growth. Due to liberalization, privatization and globalization the whole world is playing the role of 'Global Village'. Commerce is playing a pivotal role to overcome the complexity and provide solutions. In commerce subject complexity related to trade and business, its solutions and methods for the development of business are studied.

Various Employment Options of Commerce

- **Professional** — CA, CS, CMA, MBA, CAT
- **Educational** — College & School
- **Administrative** — IAS, RAS, Accounts Services
- **Other** — Bank, LIC, Accountant

Special Course:

CAT - Certificate Course (ROC Centre ICAI)

- A Chance to Enhance your skills and reach your carrier of dreams and become self employed by CAT (Certificate in Accounting Technicians) Organised by the Institute of Cost Accountants of India (ICAI) at ROC Centre SSG PAREEK P.G. GIRLS COLLEGE CHOMU.
- Qualification Passed the Sr. Sec. School Examination Benefits and Perks of the CAT: Maximum chances of job Opportunities i.e. filling of returns under income Tax, GST. Custom Act. Company Act, Tax Return Pre Export Import Documentation etc.

Courses Offered

PG ARTS

M.A. (Political Science)

Eligibility : As per the guidelines of the Directorate of College Education Rajasthan.

Duration : 2 Years

Affiliating Body : University of Rajasthan, Jaipur

• Previous

Paper-I : Western Political Thinkers (Plato to Marx)

Paper-II : Indian Political Thinkers

Paper-III : International Politics

Paper-IV : Public Administration

• Final

Paper-I : Modern Political Theory and Comparative Politics

Paper-II : Indian Government & Politics

Paper-III : Research Methodology

Paper-IV : Modern Indian Political Thought

Paper-V : Gandhian Political Thought

M.A. (Geography)

Eligibility : As per the guidelines of the Directorate of College Education Rajasthan.

Duration : 2 Years

Affiliating Body : University of Rajasthan, Jaipur

• Previous

Paper-I : Evolution of Geographical Thought

Paper-II : Physical Bases of Geography

Paper-III : Principles & Economic Geography

Paper-IV : Man & Natural Environment/ Rural Development

Paper-V : Practical

• Final

Paper-I : Advanced Geography of India

Paper-II : Agriculture Geography

Paper-III : Urban Geography

Paper-IV : Water Resource / Political Geography/ Regional Planning

Paper-V : Practical

DISSERTATION

M.A. Final

Anandam subject is mandatory for all classes of part I, II, III, M.A. Prev. & M.A. Final

Note:

1. Students have to opt the paper which is allotted by the college.
2. New paper will start when there will be minimum ten students.
3. If dissertation is opted than any four papers in Geography should be taken.

The roots of education are bitter, but the fruit is sweet.
- Aristotle

प्रवेश सम्बन्धी तिथि

1.	आवेदन – ऑफलाईन	कॉलेज आयुक्तालय के नियमानुसार
2.	शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ	कॉलेज आयुक्तालय के निर्देशानुसार
3.	शिक्षण कार्य प्रारम्भ	कॉलेज आयुक्तालय के निर्देशानुसार

आवेदन–पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है :

(क) अन्तिम परीक्षा की मूल अंकतालिका व दो प्रमाणित प्रतिलिपियां

Provide to you certificates :

• Birthday Certificate
• Transfer Certificate
• Character Certificate
• Original Migration Certificate
• Other Activity Certificate
• Health Certificate

(ख) ऐसे प्रवेशार्थी जो राजस्थान विश्वविद्यालय क्षेत्र के बाहर से आए हों, उनके लिए मूल प्रोविजनल प्रमाण–पत्र (Original Migration Certificate) प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

(ग) यदि प्रवेशार्थी ने अन्य गतिविधियों में भाग लिया है तो उसके प्रमाण–पत्रों की प्रमाणित प्रतिलिपियां

(घ) छात्राएं अपने पिता/पति की आय का प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र, EWS प्रमाण–पत्र (सक्षम अधिकारी द्वारा जारी), मूल निवास प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड प्रतिलिपि, SBI Bank की Pass Book फोटो कॉपी संलग्न करें।

(च) समस्त प्रमाण–पत्र स्व सत्यापित करके देवें।

(छ) छात्रा स्वयं एवं अभिभावक के स्थायी मोबाईल नम्बर दें जिस पर आवेदन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना दी जा सके।

ध्यातव्य : महाविद्यालय में विभिन्न विषयों का पाठ्यक्रम राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है, प्रवेश आदि के लिए विश्वविद्यालय तथा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का समय–समय पर पूर्ण पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

उपस्थिति नियम

1. विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक छात्रा को प्रत्येक विषय एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र (स्नातकोत्तर) में दिए गए व्याख्यानों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। रूग्णावस्था में या अन्य किन्हीं कारणों से हुई अनुपस्थिति भी कुल अनुपस्थिति में गिनी जाएगी। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।
2. पूरक परीक्षा देने वाली छात्राओं का प्रवेश व उपस्थिति विश्वविद्यालय नियमानुसार होगी।
3. उपस्थिति गणना में महाविद्यालय के आन्तरिक मूल्यांकन की उपस्थिति की गणना की जायेगी।
4. **यदि कोई छात्रा किसी भी विषय में 10 कार्य दिवस तक अवकाश प्रार्थना–पत्र दिए बिना अनुपस्थित रहती है तो उसका नाम कॉलेज पंजिका से पृथक कर दिया जाएगा। ऐसी छात्रा को पुनः प्रवेश स्वयं एवं अभिभावक द्वारा नियमित रूप से उपस्थित रहने के संदर्भ में उत्तरदायित्व स्वीकार करने पर ही दिया जाएगा। पुनः प्रवेश के पश्चात् उपस्थिति के पूरा होने पर संपूर्ण दायित्व स्वयं छात्रा का होगा।**
5. छात्राएँ सेक्शन के अनुसार ही कक्षाएं लेंगी तभी उनकी उपस्थिति मान्य होगी।
6. **प्रायोगिक परीक्षा के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। 75 प्रतिशत उपस्थिति के अभाव में स्वयंपाठी कर दिया जायेगा।**

प्रवेशार्थी के लिए न्यूनतम योग्यता

बी.ए./बी.कॉम. पार्ट–प्रथम (स्नातक पाठ्यक्रम)

(क) सीनियर हायर सैकेण्डरी अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण

(ख) वरिष्ठ उपाध्याय (अंग्रेजी सहित) उत्तीर्ण

ध्यातव्य:

1. प्रवेश गत परीक्षा के प्राप्तांकों व योग्यतानुसार दिया जाएगा ।
2. विश्वविद्यालय व राज्य सरकार द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले प्रवेशार्थी ही प्रवेश आवेदन–पत्र भरने के पात्र होंगे।
3. द्वितीय व तृतीय पार्ट में स्वयंपाठी छात्राओं का प्रवेश, स्थान रिक्त होने पर व आवश्यक शर्ते पूर्ण करने पर ही दिया जाएगा।
4. वे छात्राएं जो इस संस्था में नियमित तथा अनुशासित रही है तथा पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण हुई अथवा पूरक परीक्षा योग्य घोषित की गई हो, उन्हें ही प्रवेश दिया जाएगा ।
5. एक बार नियमित प्रविष्ट विद्यार्थी अनुत्तीर्ण होता है या परीक्षा में नहीं बैठ पाता है अथवा परीक्षा –फार्म नहीं भरने के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है अथवा उपस्थिति की न्यूनता के कारण परीक्षा देने से वंचित किया जाता हैं, तो उसे उसी कक्षा में पुन: प्रवेश दिया जाएगा।
6. गैर महाविद्यालय छात्राओं के लिए सामान्य रूप से प्रवेश की अनुमति नहीं है किन्तु स्थान रिक्त होने पर विश्वविद्यालय व राज्य सरकार के विशेष नियमों के अनुसार छात्राओं को प्रवेश दिया जाना सम्भव होगा ।
7. एक विषय से दूसरे विषय में स्थानान्तरण प्रवेश की अंतिम तिथि के 15 दिन बाद तक ही स्वीकार्य होगा इसके पश्चात् शुल्क 200 रु. जमा करवाना होगा ।
8. यदि कोई आवेदक, आवेदन पत्र के साथ किसी भी आवश्यक प्रमाण–पत्र को प्रस्तुत नहीं करती है तो उसे अस्थाई प्रवेश दिया जा सकेगा किन्तु प्रवेश तिथि से 15 दिन के अन्दर आवश्यक प्रमाण–पत्र प्रस्तुत कर प्रवेश को स्थाई कराना होगा अन्यथा प्रवेश रद्द माना जाएगा।
9. वे छात्राएं जो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर व राजस्थान विश्वविद्यालय की पूरक परीक्षा में सम्मिलित हो रही है उन्हें आगामी कक्षा में अस्थाई प्रवेश मिल सकता है यह प्रवेश छात्रा के स्वयं के उत्तरदायित्व पर होगा। ऐसे प्रवेशार्थी को उपस्थिति सम्बन्धित नियमों को भली प्रकार जान लेना चाहिए। पूरक परीक्षा में असफल होने पर किसी प्रकार का शुल्क वापस नहीं किया जाएगा ।
10. किसी भी छात्रा का प्रवेश तभी मान्य होगा जब उसका आवश्यक दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार हो गया हो एवं आवश्यक प्रमाण–पत्र एवं निर्धारित शुल्क जमा करा दिया हो। शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।
11. राजस्थान सरकार एवं राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमानुसार राजस्थान ओपन स्कूल जयपुर से 12वीं के लिए निर्धारित कोर्स के अनुसार अंग्रेजी विषय की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते है तो उन्हें आगे की शिक्षा में प्रवेश हेतु 12वीं उत्तीर्ण के समकक्ष माना जाएगा।
12. स्नातक प्रथम वर्ष में किसी भी विषय प्रवेश हेतु विद्यार्थियों की संख्या 10 से कम रहने की स्थिति में उस विषय को वर्तमान शिक्षा सत्र के लिए स्थगित कर दिया जायेगा ।

नोट : प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए इन्टरनेट द्वारा दी गई अंकतालिका स्वयं के द्वारा सत्यापित कर प्रस्तुत करने पर ही अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे एवं मूल अंक तालिका प्राप्त होने पर महाविद्यालय में जमा कराना होगा अन्यथा प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा ।

प्रवेशार्थी के लिए न्यूनतम योग्यता

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

1. राज्य तथा राज्य के बाहर स्थित विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा (10+2+3) उत्तीर्ण अभ्यर्थी ।
2. ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने 10+2+3 के अन्तर्गत स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नियम लागू होंगे ।
3. आवेदित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत या अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 48 प्रतिशत प्राप्तांक होना अनिवार्य है। स्थान रिक्त रहने की स्थिति में महिला प्रत्याशी को न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत छूट के उपरान्त प्रवेश दिया जायेगा ।
4. पूर्वार्द्ध में अनुत्तीर्ण छात्रा को पुनः उसी विषय में नियमित छात्रा के रूप में प्रवेश नहीं दिया जायेगा किन्तु दूसरे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में स्नातक परीक्षा के प्राप्ताकों के आधार पर प्रवेश दिया जा सकेगा ।
5. **प्रवेश की योग्यता का निर्धारण निम्नांकित आधार पर किया जायेगा –**

   अभ्यर्थी द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम के भाग की I, II, III की कक्षाओं के श्रेणी निर्धारण हेतु मान्य समस्त विषयों के प्राप्तांकों का योग तथा आवेदित विषयों के उपयुक्त कक्षाओं में प्राप्तांकों को जोड़कर कुल प्राप्तांकों का उक्त पूर्णांकों के आधार पर प्रतिशत निकाला जायेगा यदि प्रवेशार्थी को कोई बोनस अंक देय है जो उसे जोड़कर कुल योग प्रतिशत से वरीयता का निर्धारण किया जायेगा।
6. संकाय में परिवर्तन के लिए 20 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे/स्थान रिक्त रहने पर आयुक्त कॉलेज शिक्षा से पूर्व अनुमति प्राप्त करके इससे अधिक भी प्रवेश दिया जा सकेगा ।
7. यदि अभ्यर्थी स्नातक परीक्षा में पुनः परीक्षा देकर अंकों में वृद्धि करता है तो योग्यता निर्धारण के लिए बढ़े हुए अंक ही विचारणीय होंगे।
8. योग्यता सूची में दो छात्रों के अंकों का प्रतिशत समान होने की स्थिति में आवेदित विषय में अधिक प्राप्तांक वाले छात्रा को वरीयता दी जायेगी ।
9. एक बार नियमित प्रविष्ट या स्वयंपाठी विद्यार्थी यदि अनुत्तीर्ण रहता है या परीक्षा में नहीं बैठ पाता है या परीक्षा फार्म नहीं भरने के कारण परीक्षा में शामिल नहीं होता या उपस्थिति की न्यूनता के कारण परीक्षा देने से वंचित किया जाता है तो उसी संकाय अथवा भिन्न संकाय की उसी कक्षा में पुनः प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा।
10. स्नातकोत्तर स्तर पर पूर्वार्द्ध स्वयंपाठी के रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थी को उत्तरार्द्ध में प्रवेश नहीं दिया जायेगा ।
11. स्नातक पाठ्यक्रम पश्चात् अन्तराल होने के बावजूद किसी भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा (नियमानुसार महिला अभ्यर्थी हेतु)
12. विश्वविद्यालय की किसी भी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक छात्रा को विश्वविद्यालय में नामांकन करवाना अनिवार्य है। यह विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रथम बार सम्मिलित होने से पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि तक पूरा करा लेना होगा अन्यथा छात्रा का महाविद्यालय में प्रवेश भी निरस्त हो जाएगा।
13. जिन छात्राओं ने अन्तिम परीक्षा राजस्थान प्रदेश से बाहर किसी बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय से पास की हो उन्हें नामांकन कराने हेतु आवेदन पत्र के साथ प्रवास प्रमाण–पत्र (Migration Certificate) भी लगाना होगा।

    साथ ही योग्यता या पात्रता फार्म भरकर संलग्न करना होगा। पात्रता शुल्क प्रवेश के साथ ही लिया जाएगा। उक्त प्रमाण–पत्र के अभाव में प्रवेश भी निरस्त हो जायेगा ।
14. प्राचार्या किसी भी आवेदक को बिना कारण बताए प्रवेश के लिए मना कर सकती हैं / रोक सकती हैं/ अस्वीकृत कर सकती हैं।
15. **विषय परिवर्तन प्रवेश की अन्तिम तिथि से 15 दिन की अवधि में 200 रु. विषय परिवर्तन शुल्क जमा कराने पर किया जा सकेगा।**
16. **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में किसी प्रश्न–पत्र हेतु प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या 05 से कम रहने की स्थिति में उस विषय को वर्तमान शिक्षा सत्र के लिए स्थगित कर दिया जायेगा ।**

प्रवेशार्थी के लिए न्यूनतम योग्यता

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

प्राचार्या निम्नांकित स्थितियों में अभ्यर्थी का प्रवेश अस्वीकृत कर सकती हैं:-

(क) ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने प्रवेश हेतु प्रस्तुत आवेदन-पत्र में कोई तथ्य जान-बूझकर छिपाया हो अथवा मिथ्या प्रस्तुत किया हो।

(ख) ऐसा अभ्यर्थी जिसने शुल्क जमा करने की घोषित तिथि तक महाविद्यालय में शुल्क जमा नहीं करवाया हो ।

(ग) ऐसे अभ्यर्थी जिसने आवेदन-पत्र जमा कराने की घोषित अंतिम तिथि तक आवेदन-पत्र प्रस्तुत नहीं किया हो अथवा अपूर्ण आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया हो ।

(घ) ऐसा अभ्यर्थी जिसने महाविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, जैसे रिश्वत, आतंक इत्यादि ।

(ड) ऐसे अभ्यर्थी जिनका प्रवेश सम्बद्ध विश्वविद्यालय में नियमों के अंतर्गत स्वीकार्य न हो ।

(च) ऐसी अभ्यर्थी जो पूर्व वर्षो में किसी बड़े दुराचार / दुर्व्यवहार का अपराधी रहा हो या विश्वविद्यालय परीक्षा काल में दुराचार का दोषी रहा हो ।

(छ) परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग हेतु बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा दण्डित किया गया हो ।

(ज) ऐसा अभ्यर्थी जिसके विरूद्ध किसी शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ परिसर में अथवा परिसर के बाहर हिंसात्मक व्यवहार करने का आपराधिक मामला न्यायालय में विचाराधीन हो ।

(झ) ऐसा अभ्यर्थी जो न्यायालय के द्वारा नैतिक कदाचार अथवा इसी प्रकार के अन्य अपराध के कारण दोषी ठहराया गया हो ।

(ट) ऐसा अभ्यर्थी जो प्रवेश प्रक्रिया के साथ किसी शैक्षणिक/अशैक्षणिक कर्मचारी के साथ दुराचार/ दुर्व्यवहार अथवा गाली-गलौच करने का दोषी हो ।

(ठ) अभ्यर्थी के किसी भी अवांछनीय आचरण के कारण।

(ड) प्रवेश हेतु स्थान उपलब्ध न होने के कारण।

नोट : प्रवेश के लिए इन्टरनेट द्वारा ली गई अंकतालिका स्वयं के द्वारा सत्यापित कर प्रस्तुत करने पर ही अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। मूल अंक तालिका प्राप्त होते ही अविलम्ब जमा करायें।

स्थानान्तरण (T.C.) प्रमाण-पत्र

1. प्रत्येक छात्रा की वार्षिक परीक्षा होते ही अथवा उससे पूर्व प्राचार्या द्वारा टी.सी. जारी हो जाने की स्थिति में वह महाविद्यालय की छात्रा नहीं होगी। आगामी सत्र में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र के साथ टी.सी. फार्म जमा करवाने के पश्चात् ही प्रवेश दिया जायेगा। यदि कोई छात्रा सत्र के मध्य महाविद्यालय छोड़ना चाहे तो उसे लिखित में प्रार्थना पत्र देना होगा और पूरे वर्ष का शिक्षण शुल्क जमा करवाना होगा।
2. किसी भी छात्रा को स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C.) शिक्षण शुल्क व अन्य बकाया जमा करवाकर तथा पुस्तकालय, क्रीड़ा, स्काउट या एन.एस.एस. आदि से अदेय प्रमाण-पत्र (No dues) प्राप्त कर लिया हो।
3. **स्थानान्तरण व चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु लिखित में आवेदन-पत्र के साथ सैकेण्डरी व अन्तिम कक्षा की सत्यापित अंक तालिका व शुल्क राशि 400 रु. कार्यालय में जमा करवाना होगा।**

'व्यर्थ न करो समय को, उपस्थित हो बढ़ाओ ज्ञान को।'

छात्राओं के लिए पुस्तकालय तथा वाचनालय सम्बन्धी नियम

1. पुस्तकालय प्रातः 10 से 4 बजे तक खुला रहेगा, आवश्यकतानुसार समय परिवर्तन किया जा सकता है।
2. छात्रायें महाविद्यालय की फीस जमा रसीद एवं परिचय पत्र दिखाकर पुस्तकालयाध्यक्षा से पुस्तकालय कार्ड बनवायें।
3. कार्ड से दो पुस्तकें दी जायेगी। छात्रा कार्ड से प्राप्त पुस्तक को अधिकतम 15 दिन तक रख सकती है 15 दिन बाद प्रतिदिन 2 रु. विलम्ब शुल्क के साथ जमा करायेगी।
4. पुस्तकालय कक्ष में प्रवेश करते समय प्रत्येक छात्रा को अपनी पुस्तकें, कापियां व अन्य वस्तुएं बाहर रखनी होगी तभी पुस्तकालय कक्ष में प्रवेश कर सकेगी।

5. सम्बन्धित विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर प्राचार्या पुस्तक की अवधि 15 दिन से अधिक बढ़ा सकती है।
6. पुस्तकालय बुक बैंक समिति की अनुशंसा पर निर्धन छात्राओं को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें दी जाती है जिसके लिए पुस्तकालयाध्यक्षा से फार्म प्राप्त कर निर्धारित तिथि तक जमा करवाना होगा।
7. कोई भी छात्रा पुस्तकालय की किसी भी पुस्तक को उसके लिए अलग रखने (Reserve) के लिए आग्रह कर सकती है यह पुस्तक जैसे ही लौटकर आएगी, प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए उस छात्रा को निर्गत करायी जायेगी।
8. संदर्भ पुस्तकें (Reference Books) घर ले जाने के लिए नहीं दी जायेगी।
9. पुस्तकालय से पुस्तक लेते समय छात्रा पुस्तक की जांच कर लें कि पुस्तक कटी-फटी व पेज गायब तो नही हैं पुस्तक जमा करते समय निरीक्षण करने के उपरान्त पुस्तक में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाई गई तो इसकी जिम्मेदारी छात्रा की होगी। पुस्तक के पृष्ठ फाड़ना अपराध है। दोषी छात्रा को पुस्तक का संपूर्ण मूल्य जमा करवाना होगा तथा 50 रु. दण्ड स्वरूप देने होंगे।
10. सत्र समाप्ति से पूर्व सभी पुस्तकें पुस्तकालयाध्यक्षा को लौटाकर अदेय (No Dues) प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा जिसके बिना परीक्षा प्रवेश-पत्र (Admission Card) को सत्यापित नहीं किया जायेगा।
11. पुस्तकालय, वाचनालय व बुक बैंक सम्बन्धी किसी भी समस्या समाधान के लिए छात्रा पुस्तकालयाध्यक्षा से सम्पर्क करें। पुस्तकालय की देखरेख हेतु प्राध्यापक प्रभारी नियुक्त किए है, विशेष कठिनाई की अवस्था में छात्राएँ उनसे सम्पर्क करें।
12. पुस्तकालय कर्मचारियों को विद्यार्थियों की तलाशी का अधिकार होगा।
13. छात्रायें प्रतिदिन पुस्तकालय सूचना पट्ट अवश्य देखें।

छात्राओं के लिए पुस्तकालय तथा वाचनालय सम्बन्धी नियम

वाचनालय

1. छात्राएं वाचनालय में प्रवेश रजिस्टर पर आगमन–निगमन के हस्ताक्षर अवश्य करें।
2. वाचनालय में छात्राओं द्वारा बातचीत करना, अध्ययन में बाधा डालना वर्जित है। यदि कोई छात्रा ऐसा करती हुए पाई जाती है तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। किसी भी छात्रा को पत्र–पत्रिकाएं बाहर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।
3. यदि कोई छात्रा पुस्तकालय एवं वाचनालय की सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाती है तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। नुकसान हुई सम्पत्ति का हर्जाना वसूल किया जायेगा तथा अपराध की गंभीरता के अनुसार प्राचार्या द्वारा दण्डित किया जा सकता है।
4. अत्याधुनिक तकनीकी युक्त (वाई–फाई) पुस्तकालय एवं वाचनालय।

विश्वविद्यालय परीक्षा नियम

1. स्नातक पार्ट I, II, III की व स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध की वार्षिक परीक्षा विश्वविद्यालय की होगी–

(A) जिस परीक्षा में छात्रा सम्मिलित हो रही है उसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट आवश्यक योग्यता प्राप्त कर ली है।

(B) छात्रा का विश्वविद्यालय में पंजीयन (नामांकन) हो गया हो अन्यथा पंजीयन कराना अनिवार्य होगा ।

(C) छात्रा की उपस्थिति विश्वविद्यालय नियमानुसार पूर्ण होनी चाहिए ।

(D) छात्रा ने महाविद्यालय के सभी देय दायित्वों का भुगतान करके अदेय (No Dues) प्रमाण–पत्र ले लिया हो ।

(E) स्नातक तथा स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के नियमित छात्राओं को विश्वविद्यालय आदेशानुसार प्रवेश शुल्क के साथ दीक्षांत समारोह शुल्क यदि है तो जमा करवाना अनिवार्य होगा ।

(F) प्रत्येक छात्रा को विश्वविद्यालय नियमानुसार राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के शुल्क यदि है तो जमा करवाना अनिवार्य होगा ।

सामान्य नियम

1. यदि किसी छात्रा का व्यवहार महाविद्यालय प्रांगण में या बाहर कहीं भी ऐसा हो जिससे महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचे तो प्राचार्या उस छात्रा को बिना कारण बताए महाविद्यालय से निष्कासित कर सकती है ।
2. महाविद्यालय में धूम्रपान एवं मद्यपान नितान्त वर्जित है। महाविद्यालय प्रांगण में यदि कोई छात्रा ऐसा करती हुई पाई गई तो उसे महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है ।
3. छात्रा प्रतिदिन महाविद्यालय के सूचना पट्ट को अवश्य देखती रहें। कार्यालय किसी भी बहाने को स्वीकृत नहीं करेगा कि सूचना पट्ट नहीं देखा और छात्रा को किसी आदेश या सूचना की जानकारी नहीं थी। सूचना को फाड़ना मिटाना या उसे परिवर्तित करना गम्भीर अपराध है ।
4. छात्रा द्वारा अध्यापक वर्ग को उचित सम्मान तथा महाविद्यालय कार्यालय के कर्मचारियों व पुस्तकालयाध्यक्षा आदि के प्रति सद्व्यवहार करना चाहिए। यदि प्राध्यापक पास से निकल रहे हो तो खड़े हो जाना चाहिए एवं दिन में प्रथम बार मिलने पर अभिवादन अवश्य करना चाहिए।
5. महाविद्यालय की नियमित छात्रा को महाविद्यालय के द्वारा जारी प्रमाण–पत्र पर रेलवे या बस द्वारा रियायती टिकट दिये जाते है। रेलवे कन्सेशन प्रवेश आवेदन पत्र में स्थाई पते में दिए गए स्थान के लिए ही मिल सकता है। स्थाई पता वह होना चाहिए जहां छात्रा के माता–पिता रहते हैं और जो छात्रा ने प्रवेश लेते समय आवेदन पत्र पर लिखा था। रेलवे कन्सेशन दशहरा व शीतकालीन तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए ही दिया जाता है जबकि बस कन्सेशन किसी भी समय दिया जा सकता है ।
6. चरित्र प्रमाण–पत्र वर्ष में अधिक से अधिक केवल दो बार दिया जा सकता है। चरित्र प्रमाण–पत्र शुल्क 50रु. होगा। (यदि कोई छात्रा महाविद्यालय के मुद्रित चरित्र प्रमाण–पत्र के अतिरिक्त अन्य रूप से प्रमाण पत्र चाहती है तो वह आवेदन करने व 50 रुपये शुल्क जमा कराने पर दिया जा सकेगा।) उसमें अनुशासनहीनता, दुर्व्यवहार एवं दोषपूर्ण आचरण का भी उल्लेख किया जा सकेगा।
7. प्रवेश के बाद प्रत्येक छात्रा महाविद्यालय का अभिन्न अंग बन जाती है अतः उसे महाविद्यालय के गौरव को बढ़ाने में प्रयत्नशील रहना चाहिए ।
8. किसी भी नियम में परिवर्तन करने का तथा व्याख्या करने का प्राचार्या को पूरा अधिकार है। इस संबंध में प्राचार्या का निर्णय अंतिम रहेगा ।
9. महाविद्यालय के प्रांगण में प्रत्येक छात्रा को अपना परिचय–पत्र साथ रखना आवश्यक है। जिससे समय–समय पर महाविद्यालय अधिकारियों को दिखाया जा सके।
10. **रैगिंग लेना पूर्णतया निषेध है। रैगिंग लेने वाली छात्रा को तुरन्त प्रभाव से महाविद्यालय से निष्कासित करने का अधिकार प्राचार्या को होगा ।**
11. **रैगिंग के संदर्भ में राज्य सरकार के निर्देश व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश की पालना होगी ।**
12. महाविद्यालय में छात्राएँ सामान खो जाने पर सम्बन्धित अधिकारी को सूचित करेगी।
13. कमजोर छात्राओं के लिए अतिरिक्त समय में व्याख्यातागणों के मार्गदर्शन की सुविधा दी जायेगी ।
14. छात्राएँ महाविद्यालय परिसर में रखे हुए सामान की सुरक्षा का ध्यान रखेगी।
15. छात्राएँ अपने विषय कालांश में बाहर पायी गई तो अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी ।
16. छात्राएँ महाविद्यालय परिसर को पूर्णतया स्वच्छ रखें एवं व्यर्थ सामग्री कचरे पात्र में डालें ।

Scholarship & Prizes

₹ 75 Lac **Scholarship will be provided to the students by SSG Pareek PG College & Associated Institutions**

बी.ए., बी.कॉम. प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्राएँ जो कक्षा 12 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई है, उन्हें एक साथ शुल्क जमा कराने पर निम्न छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी –

Marks	Scholarship
60% से 70% अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को	Rs. 500/-
Above 70% से Upto 80%	Rs. 1000/-
Above 80% से Upto 90%	Rs. 2000/-
Above 90% से Upto 95%	Rs. 3000/-
Above 95%	शिक्षण शुल्क का 50%

- BPL छात्राओं को 500 रुपये की विशेष छात्रवृत्ति।
- कोरोना के कारण जिन विद्यार्थियों के माता–पिता या जिन विद्यार्थियों के पति की मृत्यु हो गयी है उन्हें महाविद्यालय शिक्षण शुल्क में छूट।
- समस्त प्रवेशार्थियों को शेष फीस एक मुश्त जमा करवाने पर 5 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
- फीस रिफण्ड नहीं होगी।

उपरोक्त छूट एक मुश्त शुल्क जमा करवाने पर प्रदान की जायेगी ।

ओजस्वी पुण्यार्थ एवं धार्मिक ट्रस्ट, ओजस्वी भवन, नोहरा हवेली, चौमूँ द्वारा गरीब छात्राओं को 45000 रुपये की छात्रवृत्तियाँ

स्व. श्री बंशीलाल पारीक (सुजानगढ़) की स्मृति में स्नातक स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार एवं स्नातक स्तर के लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, हिन्दी एवं इतिहास विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार

छात्राओं को विशेष पुरस्कार :

1. श्री केशव पारीक NRI (कनाडा) द्वारा बंशीलाल पारीक (सुजानगढ़) मेमोरियल स्मृति में लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, इतिहास विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्राओं को विशिष्ट पुरस्कार प्रदान।
2. श्री एस.के. कैशोट (पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय) द्वारा गृह–विज्ञान विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार।
3. स्व. श्री हनुमान सहाय पारीक की स्मृति में श्रीमान सुशील पारीक द्वारा महाविद्यालय में सर्वाधिक उपस्थिति देने वाली छात्रा को पुरस्कार।
4. स्व. श्री सूरज नारायण पारीक, एडवोकेट की स्मृति में बी.ए. में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा को श्री पवन कुमार पारीक द्वारा पुरस्कार।
5. स्व. श्रीमान् द्वारका प्रसाद जी पारीक की स्मृति में श्री दयानिधि जी पारीक द्वारा स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार।
6. एस.आर. झालानी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वाणिज्य संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार।
7. श्रीमान् संजय पारीक (संजय प्रिन्टर्स चौमूँ) द्वारा अंग्रेजी साहित्य में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार।
8. स्व. श्रीमती कुसुम लता गुप्ता की स्मृति में श्री पवन गुप्ता द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर भूगोल विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार।
9. श्रीमान् सुरेश जैन द्वारा स्नातक स्तर पर भूगोल विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार ।
10. स्व. श्री हनुमान सहाय कुमावत की स्मृति में डॉ. दिनेश कुमावत द्वारा चित्रकला विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार ।
11. स्व. श्रीमती सूरज देवी की स्मृति में श्रीमती भावना पारीक द्वारा स्नातक स्तर पर राजनीति विज्ञान विषय में सर्वोच्च अंक स्नातक प्राप्त छात्रा को पुरस्कार।
12. स्व. श्रीमती संतोष पारीक की स्मृति में श्रीमती भावना पारीक द्वारा Best User of Library छात्रा को पुरस्कार ।
13. स्व. राधेश्याम जी शास्त्री की स्मृति में संस्कृत विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा को श्री जितेन्द्र वशिष्ठ द्वारा पुरस्कार ।
14. पारीक महिला परिषद द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

कौशल उन्नयन विकास कार्यक्रम

महाविद्यालय में छात्राओं को व्यवहारिक एवं रोजगार परक बनाने के लिए समय–समय पर विभिन्न कौशल कार्यक्रम करवाये जाते हैं। जिसमें:–

1. खाद्य परीरक्षण
2. फैशन डिजाईनिंग एवं सिलाई,
3. फेसियल थेरेपिस्ट
4. न्यूट्रीगार्डन
5. कृषि सम्बन्धि सम्पूर्ण जानकारी
6. पशु से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी
7. फल एवं सब्जी परीरक्षण एवं मूल्य संवर्धन
8. जैविक खेती
9. मुर्गी पालन
10. बकरी पालन
11. मधुमक्खी पालन
12. जूड़ो कराटे
13. योगा
14. प्राथमिक चिकित्सा,
15. ब्लॉक प्रिन्ट
16. टाई एण्ड डाई
17. आर्ट एण्ड क्राफ्ट

विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा एवं समय–समय पर छात्राओं को अनेक कार्यक्रमों से लाभान्वित किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के साथ एक एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया है, जिसमें वहाँ पर होने वाले छात्रहित कार्यक्रमों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। महाविद्यालय द्वारा इन कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय में ट्रेनर एवं प्रशिक्षक द्वारा व्यवस्था की जाती है। पारीक महिला परिषद द्वारा छात्राहित में देखते हुए समय–समय पर महाविद्यालय को सहयोग दिया जायेगा।

श्रीमती रश्मि पारीक
महासचिव
पारीक महिला परिषद, जयपुर

डॉ. एस.एस. राठौड़
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
के.वी.के. टाँकरड़ा, चौमूं

डॉ. सुमित्रा पारीक
प्राचार्या

डॉ. स्मिता भटनागर
वरिष्ठ वैज्ञानिक, गृह–विज्ञान

डॉ. सुनीता पारीक
गृह–विज्ञान विभाग, उप–प्राचार्या

राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्तियाँ

आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान द्वारा प्रदत्त

क्र.सं.	नाम छात्रवृत्ति	दिनांक
1.	स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों / आश्रितों को देय छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
2.	मृतक राज्य कर्मचारियों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
3.	कारगिल कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
4.	ललितकला छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
5.	भूतपूर्व सैनिकों की पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
6.	इण्डोपाक छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
7.	आवश्यकता एवं योग्यता छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
8.	महिला योग्यता छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
9.	अध्यापकों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
10.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
11.	मैरिन इंजिनियरिंग छात्रवृत्ति	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
12.	देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना	राज्य सरकार के निर्देशानुसार
13.	अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि
14.	अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि
15.	विशेष पिछड़ा वर्ग (SBC)	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि
16.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) (BPL, नि:शक्त, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता, विधवा के बच्चे, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिला के बच्चे)	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि
17.	IAS/RAS, प्री परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रतियोगियों के लिए छात्रवृत्ति (SC, ST व OBC, BPL, नि:शक्तजन, विधवा परित्यक्ता आदि)	
18.	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की संस्कृत विषय की छात्रवृत्ति	
19.	कोरोना के कारण जिन विद्यार्थियों के माता-पिता या जिन विद्यार्थियों के पति की मृत्यु हो गयी है उन्हें महाविद्यालय शिक्षण शुल्क में छूट।	

मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना

राज्य सरकार द्वारा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की उच्च माध्यमिक परीक्षा की वरीयता सूची में प्रथम एक लाख ऐसे छात्र/छात्राओं को जिनके परिवार की वार्षिक आय 5,00,000 रुपये तक है तथा जिन्हें अन्य छात्रवृत्ति अथवा प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही है उनके लिए 500/- रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति भुगतान किये जाने की वर्ष 2012-13 के बजट में घोषणा की गई है। यह योजना अल्प आय वर्ग के बच्चों में शिक्षा का स्तर बढ़ाने एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई है।

पात्रता : इस योजना का लाभ उन छात्र/छात्राओं को देय होगा जो निम्न समस्त शर्तों की पूर्ति करते हो :-

1) जिसने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उस वर्ष की उच्च माध्यमिक परीक्षा में संकायवार वरीयता (मेरिट) सूची अनुसार निम्न स्थान प्राप्त किया हुआ हो।
2) उसके माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय 5 लाख अथवा कम होगी।
3) वह राजस्थान के किसी राजकीय अथवा मान्यता प्राप्त गैर राज. उच्च संस्थान में अध्ययनरत हो ।
4) वह राजस्थान का मूल निवासी हो ।
5) उसे भारत सरकार/राज्य सरकार की किसी अन्य छात्रवृत्ति या समकक्ष योजना के अंतर्गत लाभ न मिल रहा हो।
6) स्वयं का SBI बैंक में खाता या अन्य बैंक खाता जनआधार कार्ड / भामाशाह कार्ड से जुड़ा होना चाहिए।

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदत्त

(अ) मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति-समाज कल्याण द्वारा निर्धारित तिथि ।
समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति दी जाती है ।

(ब) अनु. जाति/अनु. जनजाति के विकलांग छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रावधान :
(क) दृष्टिहीन छात्रों के लिए पाक भत्ता - प्रतिमाह
(ख) विकलांग छात्राओं के लिए प्रतिमाह परिवहन भत्ता का प्रावधान है ।
(ग) विकलांगों के लिए छात्रवृत्ति - नेत्रहीन, बधिर अथवा विकलांग (आर्थोपेडिक्ली हैण्डीक्राफ्ट) छात्रों को विकलांग छात्रवृत्ति समाज कल्याण विभाग द्वारा स्वीकृत की जाती है ।

(स) उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति:
माडा एवं बिखरी योजनान्तर्गत, अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन हेतु छात्रवृत्ति दी जाती है ।

नोट: 1. छात्रवृत्ति आवेदन पत्र निदेशालय / समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि पर ऑन लाइन भरे जायेंगे। समस्त जानकारी हेतु सूचना पट्ट देखें व महाविद्यालय कार्यालय में सम्पर्क करें ।
2. छात्रवृत्ति हेतु जाति प्रमाण-पत्र, मूल निवास प्रमाण-पत्र, SBI में बैंक खाता, BPL प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र आदि दस्तावेज छात्रवृत्ति आवेदन फार्म भरने से पहले बनाकर तैयार रखें।

नोट: आवेदन पत्र निदेशालय में उक्त तिथि के अनुसार भिजवायें ।

नोट : छात्रवृत्ति के आवेदन फार्म के सम्बन्ध में सूचना पट्ट देखें व कार्यालय में सम्पर्क करें।

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा - एक दृष्टि

महाविद्यालय अपनी छात्राओं में ज्ञान की समझ विकसित करने कक्षा कक्ष प्रबंधन, प्रभावी छात्रा शिक्षक संवाद एवं निर्देशों की उत्तमता, संरचित अध्यापन एवं सीखने पर जोर देने वाली गतिविधियों के दृष्टिकोण से इन कार्य विधियों को सर्वाधिक महत्व देता है। इसके लिए छात्राओं एवं अध्यापकों की कक्षा कक्ष में प्रमुखों के नियमित उपस्थिति पूर्ण प्रतिबंध है। प्रत्येक विषय के लिए संभावित शिक्षण परिणामों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। ताकि यह शिक्षकों, महाविद्यालय द्वारा आसानी से समझा जा सकें और इसे उनके माता–पिता और समुदाय के बीच व्यापक रूप से प्रचारित किया जा सके।

महाविद्यालय छात्राओं के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक गुणों का विकास करना अपना उत्तरदायित्व समझता है। साथ ही छात्राओं को इस तरह तैयार करना कि वह देश का परिस्थितियों के अनुसार समाज के साथ समन्वय स्थापित कर सकें। छात्राओं का ज्ञानात्मक विकास करना ही नहीं बल्कि छात्राओं के क्रियात्मक विकास पर भी बल देना है, महाविद्यालय छात्राओं को करके सीखने की स्थायी शिक्षा को अधिक से अधिक महत्व देता हैं

इसके संबंध में महाविद्यालय वर्ष भर अनेक शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन करता है जो इस प्रकार है –

1. **ओरियन्टेशन प्रोग्राम :** नये सत्र के प्रारम्भ में छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित सभी विषयों की विषय–विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की जाती है।
2. **सेमीनार का आयोजन:** महाविद्यालय समय–समय पर विषय विशेषज्ञों के द्वारा छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि करने के लिए सेमीनारों का आयोजन करवाता रहता है।
3. **लक्ष्योन्मुखी शिक्षा के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी** हेतु महाविद्यालय निरन्तर निःशुल्क प्रतियोगिता कक्षाओं जैसे RAS, NET, SI, I Grade, II Grade, III Grade, SSC, पटवार आदि की तैयारी करवाता है।
4. समसामयिक विषयों पर परिचर्चा एवं समीक्षा बैठकों का आयोजन ।
5. महाविद्यालय की शैक्षणिक समिति के द्वारा समय–समय पर समसामयिक विषयों पर परिचर्चा एवं पाठ्यक्रम के संबंध में सभी व्याख्याताओं के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाता है। इसमें दिये गये सुझावों को अभिभावकों एवं छात्राओं के साथ समन्वय करके पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है।
6. टर्मिनल टेस्ट व प्री युनिवर्सिटी परीक्षा

टर्मिनल टेस्ट व प्री यूनिवर्सिटी परीक्षा

–प्रत्येक माह विषय के प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न–पत्रों का टेस्ट लिया जाता है।

– प्री यूनिवर्सिटी जनवरी माह

परीक्षा का उद्देश्य :

1. विश्वविद्यालय परीक्षा के नियमों एवं परीक्षा में आने वाले संभावित प्रश्नों की जानकारी।
2. छात्राओं द्वारा परीक्षा में की जाने वाली त्रुटि को दूर करना।
3. अभिभावकों तक छात्रा के शैक्षिक प्रगति सम्बन्धी सूचना के संदर्भ में।

मुख्य बिन्दु : प्रत्येक विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा को महाविद्यालय द्वारा पुरस्कृत

रोजगार परक छात्रा परामर्श केन्द्र

आज शिक्षा का उद्देश्य मात्र औपचारिक शिक्षा तक ही सीमित नहीं अपितु प्रतियोगिता पूर्ण परिवेश ने छात्राओं, अभिभावकों एवं अध्यापको के समक्ष एक विशेष प्रकार की चुनौती ला दी है। विशेषतः रोजगार प्राप्ति हेतु आज सजग बौद्धिक रूप की आवश्यकता है। छात्राओं को समय–समय पर कॉलेज के द्वारा प्लेसमेंट उपलब्ध कराया जाता है एवं उचित मार्गदर्शन दिया जाता है जिसमें विशेषज्ञों के द्वारा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं, साइक्रोमेट्रीक टेस्ट द्वारा काउन्सिलिंग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इच्छुक छात्राएँ परामर्श केन्द्र निदेशक से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकती हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

1. सत्र का प्रारम्भ हरियाला राजस्थान हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम।
2. आध्यात्मिक चिन्तन एंव मानसिक तनाव से मुक्ति हेतु गीता जयंती पर सुश्री निमिषा झालानी द्वारा विशेष व्याख्यान।
3. आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के तहत स्वच्छ भारत अभियान को लेकर क्षेत्रवासियों को रैली, नुक्कड़ नाटक एवं प्राचीन स्थलों की सफाई एवं प्लास्टिक हटाओ देश बचाओ का कपड़े के थैले से संदेश।
4. समाज कल्याण सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों के तहत रैली एवं नुक्कड़ नाटक द्वारा नशा मुक्ति का संदेश एवं शपथ।
5. स्वच्छता एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन।
6. मतदाता दिवस पर अभिविन्यास के अन्तर्गत डॉ. मनोज अग्रवाल (एमिटी यूनिवर्सिटी) का व्याख्यान।
7. राजस्थान सरकार की विविध योजनाएं, एक वृहद कार्यक्रम पर अभिविन्यास के अन्तर्गत – श्रीमती संतोष जैन (ICDS) एवं श्री आशीष कुमार जाँगिड़ द्वारा महिलाओं से जुड़ी महत्त्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई।
8. यूको बैंक के 80वें स्थापना दिवस पर नि:शुल्क चिकित्सा एवं बैंकिंग शिविर के आयोजन के तहत श्रीमान् पवन पुरोहित (AGM), श्री बलराम यादव, श्री पुलकित शर्मा, श्रीमती सुमन सिंह द्वारा बैंकिंग नवाचारों की जानकारी तथा डॉ. कुणाल शर्मा (ENT), डॉ. अनिता शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ) द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श। इस अवसर पर यूको बैंक द्वारा महाविद्यालय को वाटर कूलर भी भेंट किया गया।
9. 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के तहत शिवानी जाँगिड़ द्वारा विभिन्न यौगिक क्रियाओं के अभ्यास द्वारा स्वस्थ एवं प्रसन्न रहने के गुर सिखाने गये।

स्काउट/गाइड

1. महाविद्यालय की 19 रेंजर्स राज्यपाल प्रमाण–पत्र द्वारा सम्मानित
2. महाविद्यालय के नवीन भूमि स्थल रेलवे स्टेशन पर रेंजर्स द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम
3. राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 18वीं जम्बूरी पाली में रेंजर लीडर डॉ. सुमित्रा गुप्ता एवं 4 रेंजर (मीनल वर्मा, अवन्तिका पारीक, खुशी जांगिड़ एवं नताशा योगी) का चयन
4. रेंजर लीडर डॉ. सुमित्रा गुप्ता का PRE-ALT हेतु चयन
5. महाविद्यालय की 5 रेंजर्स द्वारा राष्ट्रपति अवार्ड हेतु आवेदन
6. राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड द्वारा आयोजित 'शैक्षणिक भ्रमण' हेतु दार्जिलिंग 5 रेंजर्स का चयन
7. 19 रेंजर्स का Adventure Course हेतु अजमेर पुष्कर घाटी में चयन
8. महाविद्यालय में आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में रेंजर्स का श्रमदान
9. सत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत बनीपार्क मण्डल मुख्यालय पर निपुण एवं राज्य पुरस्कार कैम्प में भाग लिया।

नेशनल ग्रीन कोर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित नेशनल ग्रीन कोर योजना का 2016–17 में महाविद्यालय सदस्य बना। सत्र 2022–23 में मण्डल स्तरीय N.G.C. कार्यक्रम में डॉ. सुमित्रा गुप्ता ने भाग लिया।

समय–समय पर वृक्षारोपण, स्वच्छता, परिण्डा, रैली, रक्तदान शिविर आयोजित होते रहते हैं। रेंजर स्थानीय संघ चौमूं, जिला एवं मण्डल स्तरीय कार्यक्रम में विशेष योगदान देती है।

रेड रिबन

'राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी' द्वारा स्थापित रेड रिबन क्लब की महाविद्यालय में दो इकाईयाँ संचालित

रेड रिबन क्लब द्वारा सत्र 2022–23 में आयोजित गतिविधियाँ :

1. **विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31.5.2022)** – छात्राओं को ऑनलाइन – ऑफलाइन ''नशामुक्ति''हेतु शपथ ग्रहण।
2. **पोस्टर प्रतियोगिता (14.6.2022)** – ''रक्तदान देय संदेश''
3. **स्वच्छ भारत अभियान (आजादी का अमृत महोत्सव 75वाँ) 2.10.2022** – चौमूं के विभिन्न क्षेत्रों – गौशाला, गणेश मंदिर चौमूं एवं महाविद्यालय परिसर की साफ–सफाई।
4. **विश्व एड्स दिवस (1.12.2022)** – जागरुकता हेतु चौमूं के मुख्य–मुख्य स्थलों पर नुक्कड़ नाटक, रैली एवं नारों का गुंजायमान।
5. **निःशुल्क चिकित्सा शिविर (6.1.2023)** – महाविद्यालय परिसर में यूको बैंक के पदाधिकारियों द्वारा बैंक के 80वें स्थापना दिवस को प्राचार्या डॉ. सुमित्रा पारीक के दिशा–निर्देशन में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. अनिता शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. कुणाल शर्मा (ई.एन.टी.) विशेषज्ञ रहे।
2. **प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम एवं व्याख्यानमालाओं का आयोजन** – मुख्य अतिथि – डॉ. स्मिता भटनागर (कृषि वि. केन्द्र, टांकरड़ा)

ऑलम्पियाड

पहला सुख निरोगी काया

अ. महाविद्यालय का उद्देश्य खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य, सौहाद्रपूर्ण व्यक्तित्व व मानसिक स्तर को सृदृढ़ करना है जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके और विशिष्ट क्षेत्र में जाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

ब. महाविद्यालय में शैक्षणिक विकास के साथ ही सर्वांगीण विकास के लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए अन्तर्कक्षीय खेल प्रतियोगिताओं के साथ विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेती है।

स. वर्षपर्यन्त विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित रहती है। (बैडमिन्टन, कबड्डी, शतरंज, दौड़, कैरम आदि)

"Health is Wealth"

सांस्कृतिक गतिविधियाँ - ''मयूरी''

महाविद्यालय में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अन्तर्गत सांस्कृतिक गतिविधियाँ शैक्षिक पाठ्यक्रमों में रूचि, उत्साह, मानसिक श्रेष्ठता को उमंग व स्फूर्ति पूर्ण बनाये रखने की महत्वपूर्ण कड़ी है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रशासन व व्याख्यातागणों के प्रेरणा स्त्रोत से जीवन्तता प्राप्त करता है। सिंजारा महोत्सव, शिक्षक दिवस, हिन्दी दिवस, फ्रेशर पार्टी, डांडिया, मयूरी, बसंत पंचमी, वार्षिकोत्सव, मंगल कामना पर्व आदि मनाया जाता है ।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ - ''मयूरी''

S.S.G. PAREEK P.G. COLLEGE & ASSOCIATED INSTITUTIONS
On the occasion of
30th January, Monday
Inauguration, Olympia, Colourmania
31st January, Tuesday
Time :11:00 am

Laboratories

COMPUTER LAB

Our Computer Lab serve as physical learning and study destinations providing students with the latest and greatest computer tools, software, printing and other technology resources to accomplish their academic goals for instruction, research and presentation. Our labs are facilitated with WIFI internet and LAN connectivity facility.

GEOGRAPHY LAB

Geography plays an integral role in every aspect of life. In the past, geographers have done some significant work for humans, including charting newly discovered areas, developing maps (cartography) and measuring distance to help us travel from one place to another long before we could take photos of an area from space.

Nowadays geographers can be found taking soil samples on the edge of a volcano, mapping a new town, charting glacial trends in the artic or even teaching in a classroom.

Geography labs are an essential component of enhancing students geographical knowledge. They introduce students to a full spectrum of disciplinary subfields - physical, human and natural, social geography as well as geographic techniques.

In the lab, students find several maps and topographic sheets, as well as various survey equipment. These include a tracing table, prismatic compass, chain and tape, theodolite, leveling and contouring instrument and thermometers.

The study of geography contributes to developing students communication and teamwork abilities. This is because students often work on group projects and develop research and analysis skills in IT, Lab and fieldwork which include remote scnsing and interpretation of air photographs.

Laboratories

DRAWING & PAINTING

Drawing and Painting subject is very important subject for the students. Through this subject students can express their feelings by the medium of drawing pictures. Students mental ability, creativity and consciousness develops and students get rid of depression. Equally students can earn their living with their hand skills in this increasing unemployment.

A well-equipped laboratory is available in the college for the purpose of higher education, which is united with all essential resources in drawing including graphical machine, ezal, drawing board, donkey stool and different types of still life models. Students get skilled by the utilization of those in the subject.

HOME SCIENCE

Home economics, domestic economics or home science is a field of study that deals with the relationship between individuals, communities, and the environment in which they live. Home economics courses are offered internationally and across multiple educational levels.

Home science is a degree course that includes the study of many disciplines such as chemistry, physics, physiology, biology, hygiene, economics, rural development, sociology and family

relations, community living, art, food, nutrition, clothing, textiles and home management. In our college home science lab is on the ground floor with adequate light and ventilation. The lab has slabs and sinks of black granite. Each work table has gas plate with centralized gas system. A separate worktable is marked with the raised platform to facilate the teacher to explain and demonstrate the experiment they are going to perform. The lab is well equipped with electrical gadgets like microwave, cooking range, chimney etc.

भूमि पूजन समारोह - 01.06.2023

A strong determination to build a new building to redesign the institution and to start new courses and faculty.

S.S.G. Pareek College & Associated Institution Management Committee

महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम 31.5.2023 से 1.6.2023 तक महामण्डलेश्वर बालमुकुन्दाचार्यजी ने समाज को शिक्षा हेतु सतत् सहयोग के लिए आह्वान किया। जगद्गुरु श्री श्री 1008 रामानन्दाचार्य अवध बिहारी जी महाराज, सामोद, महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 नर्मदाशंकर जी महाराज, श्री श्री 108 बालकनाथजी महाराज, पूर्व विधायक श्री सुरेन्द्र जी पारीक, प्रबंध कार्यकारिणी समिति अध्यक्ष श्री बजरंग जी पारीक सचिव श्रीमान् लक्ष्मीकान्त जी पारीक की उपस्थिति में भूमि पूजन, महाभिषेक एवं पूर्णाहुति कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि श्रीमान् सुरेन्द्र पारीक द्वारा नवीन भवन को बालिका शिक्षा के लिए अनूठी पहल वाला, महिला सशक्तिकरण एवं महाविद्यालय के उत्कृष्ट विकास हेतु आशीर्वचन एवं अवरत सहयोग दिये जाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य श्री रितेश जी पारीक, श्री भगवती प्रसाद जी पारीक, श्री गौरव पारीक, श्री के.के. पारीक, श्री भगवान सहाय जी ढाणी वाले एवं सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य/प्राचार्या, पारीक महिला परिषद् की अध्यक्षा श्रीमती शशि पुरोहित, पारीक समाज एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों को लेकर भामाशाहों को अमूल्य सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। प्राचार्या डॉ. सुमित्रा पारीक एवं अध्यक्ष श्री बजरंग जी पारीक द्वारा आभार ज्ञापित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। मंच संचालन श्री रितेश जी पुरोहित एवं डॉ. सुमित्रा गुप्ता द्वारा किया गया।

Our Faculty

Dr. Sumitra Pareek - PRINCIPAL

Ex Syndicate Member University of Rajasthan
(H.O.D. Political Science)
Ex. B.O.S. Member Political Science
(University of Rajasthan)
Ex. Member Raj. Board of Sec. Education

Dr. Sunita Pareek - Vice Principal

Ass. Prof. Home Science
Incharge - Anti Raging Cell &
Discipline Committee, Red Ribbon Club
HOD Home Science,
Co-ordinator Arts Stream & Counselor

Dr. S. D. Jhalani

Ass. Prof. ABST
Coordinator - Library,
Commerce & CAT

Dr. Sumitra Gupta

Ass. Prof. Geography
HOD Geography, Ex. B.O.S. Member (UOR)
Scout / Guide Leader, National Green Core

Dr. Dinesh Kumawat

Assistant Prof. Drawing & Painting
Incharge - Media & Printing Committee
Incharge B.A. II Year
HOD Drawing & Painting

Dr. Ram Krishan Dutt Sharma

Ass. Prof. Political Science
Incharge - MA Political Science, Sholarship
(Head Internal Exam)

Shri Jitendra Vashishtha

Assistant Prof. Sanskrit
(Co-ordinator Sports Activity)
(N.S.S. Programme Officer - Unit II)

Mrs. Krishna Jangir

Ass. Prof. Hindi Literature
(N.S.S. Programme Office - Unit I)
Student Welfare Committee
Incharge Literary Activities

Mrs. Heera Swami

Ass. Prof. English Literature
Cultural Committee (Co-ordinator)
Incharge - Career Counseling & Competition Class
Incharge - B.A. II Year

Smt. Vinita Jain

Lect. EAFM &
Incharge- Placement Cell

Mrs. Bhawana Pareek

Librarian
Incharge - Women Cell & B.A. I Year
Red Ribbon

Office :

Shri Manoj Pareek

Office Superintendent

Shri Rajdeep Singh Nathawat

Accountant

Shri Indrapal Saini

Computer Operator
Incharge - Scholarship

शुल्क तालिका

Quality Education in Affordable Fee

प्रवेश शुल्क	कला संकाय (वार्षिक)	वाणिज्य संकाय (वार्षिक)	प्रयोगशाला शुल्क	वार्षिक
प्रथम वर्ष	9000/-	7000/-	भूगोल	1000/-
द्वितीय वर्ष	8500/-	8000/-	चित्रकला	1000/-
तृतीय वर्ष	8500/-	8000/-	गृह विज्ञान	1000/-

प्रवेश शुल्क	भूगोल	राजनीति विज्ञान	भूगोल प्रयोगशाला शुल्क (वार्षिक)
पूर्वार्द्ध	9500/-	5500/-	2000/-
उत्तरार्द्ध	9500/-	5500/-	2000/-

नोट : नियत तिथि 31 दिसम्बर तक पूर्ण शुल्क न जमा कराने पर विलम्ब शुल्क 200 रु. प्रतिमाह देय होगा।

अन्य शुल्क :

1.	टी.सी. व चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्ति शुल्क	400 रु.	2.	चरित्र प्रमाण-पत्र शुल्क	50 रु.
3.	डुप्लीकेट परिचय पत्र	50रु.	4.	विषय परिवर्तन फीस	200 रु.
5.	डुप्लीकेट पुस्तकालय कार्ड	50 रु.	6.	डुप्लीकेट फीस रसीद	50 रु.

नोट : उपरोक्त शुल्क के अलावा छात्राओं को निम्न शुल्क राशि अनिवार्य रूप से जमा करवाना होगा-

1. विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क – विश्वविद्यालय नियमानुसार
2. विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह शुल्क – विश्वविद्यालय नियमानुसार
3. विश्वविद्यालय पंजीयन शुल्क – विश्वविद्यालय नियमानुसार
   (केवल स्नातक अन्तिम वर्ष तथा स्नातकोत्तर उतरार्द्ध की छात्राओं को जिन छात्राओं का पंजीयन न हुआ हो)
4. विश्वविद्यालय खेल बोर्ड – विश्वविद्यालय नियमानुसार

शुल्क सम्बन्धी नियम

1. छात्रा को शिक्षण शुल्क 12 माह का जमा कराना होगा, प्रवेश चाहे सत्र के मध्य में किसी भी दिन हुआ हो, 31 दिसम्बर तक सम्पूर्ण शुल्क जमा करवाना आवश्यक है अन्यथा विलम्ब शुल्क लिया जायेगा।
2. **जमा शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं लौटाया जायेगा। पूर्व में लिया गया प्रयोगशाला शुल्क विषय परिवर्तन की स्थिति में न तो वापस किया जायेगा और न ही अन्यत्र समायोजित किया जायेगा।**
3. यदि छात्रा का किसी कारण से नाम कट गया है तो उसे पुनः प्रवेश के लिए प्रवेश शुल्क देना होगा।
4. महाविद्यालय आचरण नियमों का उल्लंघन करने पर निष्कासित छात्रा का शुल्क वापस देय नहीं होगा।
5. शुल्क रसीद खो जाने पर उसकी दूसरी प्रति 50 रु. कार्यालय में जमा करवाकर प्राप्त की जा सकेगी।
6. प्रायोगिक शुल्क निर्धारित तिथि तक छात्रा को आवश्यक रूप से जमा कराना होगा अन्यथा सम्बन्धित प्रायोगिक विषय से छात्रा का नाम पृथक कर दिया जायेगा।
7. राजस्थान विश्वविद्यालय का नामांकन शुल्क महाविद्यालय में प्रथम प्रवेश के समय ही जमा कराना होगा। यदि कोई छात्रा अन्य महाविद्यालय में रहकर राजस्थान विश्वविद्यालय में नामांकन करा चुकी हैं तो उसे यह शुल्क जमा नहीं कराना होगा। अन्य विश्वविद्यालय अथवा बोर्ड की छात्रा को पात्रता (Eligibility Fee) फीस जमा करानी होगी।
8. छात्रा के लिए आवश्यक है कि जमा शुल्क की सभी रसीदें, जब तक वह महाविद्यालय में अध्ययनरत है, सुरक्षित रखे।
9. सत्र के मध्य में महाविद्यालय छोड़ने पर छात्रा को शुल्क वापस नहीं दिया जायेगा।
10. अवधान राशि एक वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त की जा सकती है। उसके बाद नहीं लौटाई जावेगी।
11. **परीक्षा आवेदन से पूर्व महाविद्यालय का संपूर्ण शुल्क अदा करना आवश्यक है।**
12. Any quary please contact us 7878999408

***Offline/Online Fee Deposit**

NEFT

Bank - UCO Bank, Branch- Chomu
A/c Name - SSG Pareek Girls College
IFSC - UCBA0000155
A/c No. - 01550100005936

UPI

SCAN QR CODE TO PAY

S S G PAREEK GIRLS COLLEGE

विद्या धनं सर्वधनं प्रधानम्

नोटः **Online payment** के बाद **payment** का स्क्रीनशॉट **7878999408** पर **whatsapp** करें

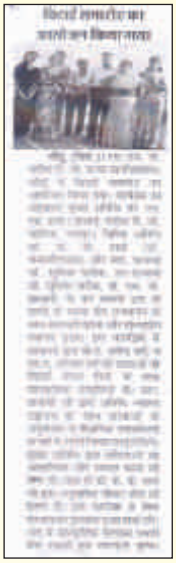

Media Coverage

ALUMNI

Shanu Agarwal-RAS

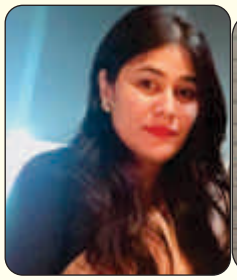

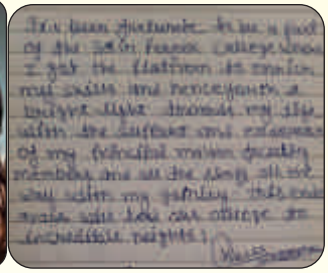

Kritika Sharma-RTS

Dr. Meena Vijay
Assistant Professor (Deptt. of Political Science)
"SSG Pareek College is the temple to develop yourself and to make you complete with the power of education."

Aarti Choudhary
School Lecturer

Kavita Jangid
Assistant Bank Manager

Sudiksha Kriplani
Air Station Manager (Jaipur)

Kritika Pareek
Online Tutor

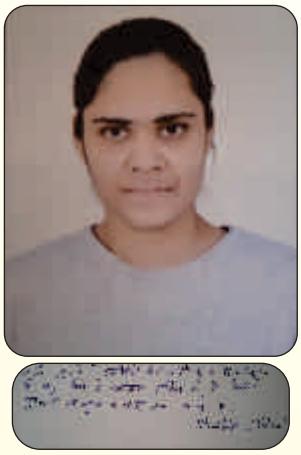

Khushboo Mittal
Patwari

Pooja Jangid
ITBP

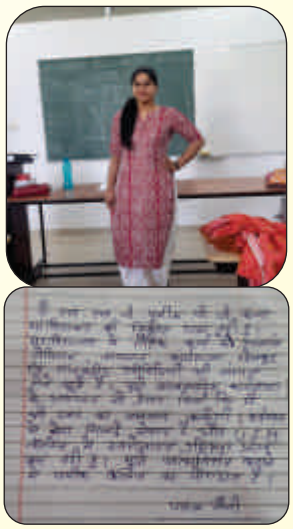

Payal Saini
Fashion Designer

Toppers & Achievers

B.A.

प्रीति गुप्ता

M.A.

ज्योति सैनी
Pol. Science

अंकिता यादव
Geography

B.Com.

अलीना खान

B.A.-III

किरण रेवाड़
Public Admn.

B.A.-III

निकिता कुमावत
इतिहास

B.A.-II

प्रियंका यादव
(अर्थशास्त्र)

B.A.-II

एकता शर्मा
(हिन्दी साहित्य)

B.A.-I

रजनी
(गृह विज्ञान)

B.A.-III

हिरांशु यादव
(चित्रकला)

B.A.-I

रितिका शर्मा
(चित्रकला)

B.A.-I

कोमल जाट
(संस्कृत)

B.A.-I

तमन्ना जांगिड़
(अंग्रेजी साहित्य)

B.A.-III

धारणा शर्मा
(राजनीति विज्ञान)

B.A.-III

प्रीति गुप्ता
(भूगोल)

विशेष पुरस्कार

श्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता

निष्ठा अग्रवाल
(B.Com. II)

श्रेष्ठ कलाकार

भारती जांगिड़
(B.A.I)

अनुशासित विद्यार्थी

दीपिका शर्मा
(M.A.Final)
(राजनीति विज्ञान)

योगा अचीवर्स

शिवानी जाँगिड़
(M.A. Final
Pol. Sc.)

जागरूक विद्यार्थी

मीनल वर्मा
(M.A. Final
Geography)

सर्वाधिक उपस्थिति

शेफाली जाँगिड़
(B.Com. I)

एस.एस.जी. पारीक स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, चौमूँ

ओजस्वी भवन, नोहरा हवेली वाला, चौमूँ, जयपुर

फोन : 01423-221894, 9166621480

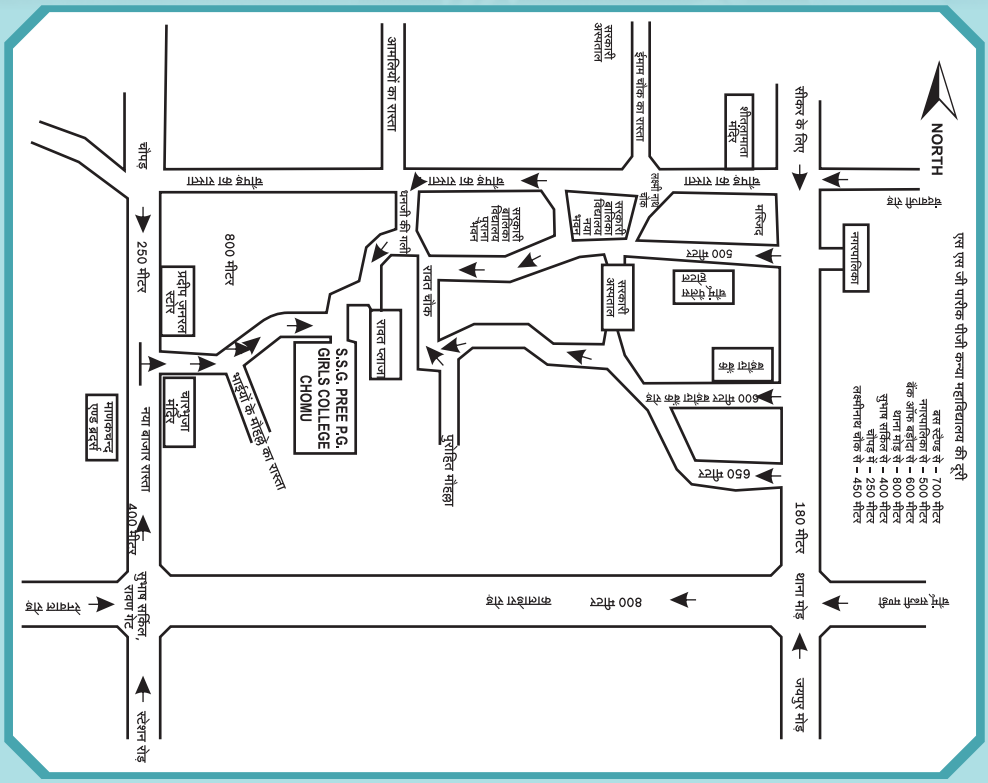

दूर हो अज्ञान पार्थ का,
संकल्पों का आह्वान

पुष्पित पल्लवित दीपक बन,
सर्वस्व करें निर्माण

visit us at www.ssgpareekpggirlscollegechomu.com • e-mail: principal1423@yahoo.com